

भारत का राजपत्र **The Gazette of India** प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 14, 1981 (फाल्गुन 23, 1902)
 No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 14, 1981 (PHALGUNA 23, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	245
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रकाशनों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	273
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	3
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई, प्रकाशनों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	253
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, प्रख्यापण और विनियम	*
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रश्न समितियों की रिपोर्टें	*
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	*
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	*
भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	3079
भाग III—खण्ड 2—एकलव्य कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	127
भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	19
भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	889
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	35

* पृष्ठ संख्या प्राप्ति नहीं हुई

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 245	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. *	
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	273	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. *	
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	3	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .. *	
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	253	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	3079
PART II—SECTION 1.—Act, Ordinances and Regulations.		PART III—SECTION 2.—Notification and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	127
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	19
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India		PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	889
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	35

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions Issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1981

सं० 13-जे०/81—राष्ट्रपति महाराष्ट्र पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिये पुलिस पदक महर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद
श्री बसन्त नरहर जोग, (स्थानापन्न)
पुलिस निरीक्षक,
सुफिया विभाग,
बम्बई,
महाराष्ट्र।

श्री ललित कुमार दत्तात्रेय गोडबोले,
पुलिस उप-निरीक्षक,
सुफिया विभाग,
बम्बई,
महाराष्ट्र।

श्री वगडू धोंडू निकम,
पुलिस कांस्टेबल, बी० सं० 12995/कि०,
सुफिया विभाग,
बम्बई,
महाराष्ट्र।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

31 मार्च, 1979 की अर्द्धरात्रि से थोड़े समय पहले श्री ललित कुमार दत्तात्रेय गोडबोले का सूचना मिली कि उत्तर भारत के कुछ कुख्यात अपराधी बम्बई आए हुए हैं और मौलाना शौकतअली रोड पर पाकीजा गैस्ट हाउस नाम के एक लॉजिंग हाउस में ठहरे हुए हैं। श्री गोडबोले ने श्री बी० एन० जोग एवं श्री बी० वाई० शंते से सम्पर्क स्थापित किया और उन्हें मौलाना शौकतअली रोड के पास एक मिनेमा हाउस के सामने मिलने का अनुरोध किया। वे स्वयं श्री डी० डी० निकम के साथ अपराधियों पर निगरानी रखने के लिये घटनास्थल की ओर गये। वहाँ पहुँचने पर उनको मालूम हुआ कि गैस्ट हाउस के कमरा सं० 7 में चार अजनबी ठहरे हुए हैं, जबकि कमरे में सामान्यतः दो व्यक्ति ठहर सकते हैं। श्री गोडबोले ने दरवाजा खटखटाया और दरवाजा खुलने पर वे तुरन्त कमरे में घुसे जिनके पीछे-पीछे श्री निकम भी थे। कमरे में दो पसंगों के बीच फर्श पर बैठे एक व्यक्ति ने श्री गोडबोले पर गोली चलाई परन्तु उन्होंने बन्दूक की गोली से पेट में हुए घाव की परवाह न करते हुए शीघ्रता से बदमाश के उस हाथ पर प्रहार किया जिसमें वह पिस्तौल पकड़े हुए था। बन्दूक चलने की आवाज सुनकर श्री जोग जो तब तक बाहर रास्ते में खड़े थे, तुरन्त कमरे में गये। जैसे ही वे कमरे में घुसे, कमरे के एक अन्य बदमाश ने अपना पिस्तौल निकाल लिया परन्तु श्री जोग उस पर झपट पड़े। इसी समय कमरे के तीसरे बदमाश ने, जो पसंग पर बैठा था, अपने पिस्तौल से गोली चलाई जो श्री जोग के बेहरे पर लगी। कुछ छरें उनकी छाती में लगे और उनके चार दाँत

भी टूट गये। श्री निकम ने एक अपराधी को पकड़ने की कोशिश की परन्तु यह देखने पर कि श्री गोडबोले और श्री जोग दोनों जखमी हो गये हैं, वे श्री गोडबोले को उनका जीवन बचाने के लिये कमरे से बाहर लाये। श्री जोग भी कमरे से बाहर आ गये और बदमाशों के कुंडे को बाहर से पकड़ लिया ताकि कमरे के बदमाशों को बाहर भागने से रोका जा सके। फिर भी बदमाश कमरे को विभाजित करने वाले पार्टीशन को तोड़ कर बच निकले।

इस कार्रवाई में श्री बसन्त नरहर जोग, श्री ललित कुमार दत्तात्रेय गोडबोले एवं श्री वगडू धोंडू निकम ने उत्कृष्ट बीरता और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत सत्ता भी दिनांक 31 मार्च, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 14-जे०/81—राष्ट्रपति मिजोरम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिये पुलिस पदक महर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री जेरेमाविया, (स्वर्गीय)
कांस्टेबल सं० 17,
प्रथम बटालियन,
मिजोरम सशस्त्र पुलिस,
ऐज़ल,
मिजोरम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

20 नवम्बर, 1979 को एक पुलिस दल को जिसमें पुलिस उप निरीक्षक श्री लूयेंग सेंलो, श्री जेरेमाविया और 3 अन्य थे, दुईरियल केन्द्रीय जेल से भागे हुए व्यक्तियों को पकड़ने के लिये नियुक्त किया गया। ग्राम होल्स पहुँचने पर, पुलिस दल वहाँ रात के लिये रुका। 22 नवम्बर, 1979 को उन्हें यह मालूम हुआ कि एक भगौड़ा नामतः बेनलालाउभ्रा 4 अन्य के साथ ताविजों पगडंडी पर एक गुफा में छिपा हुआ है और एक भूतपूर्व मिजो नेशनल फ्रंट का व्यक्ति जो जमानत तोड़कर भाग निकला था, भी उनके साथ है। पुलिस दल 10.00 बजे प्रातः होल्स से ताविजों को चल पड़ा। रास्ते में उन्होंने लालबिघ्राका को गिरफ्तार किया जिसने पुलिस को बताया कि बेनलालाउभ्रा निहुरा और अकेला है। पुलिस वध लालबिघ्राका को लेकर उग्रपंथी के छिपने के स्थान की तरफ गया। गुफा के पास पहुँचने पर उन्हें वहाँ एक बड़ा व्यक्ति मिला जिसने पुलिस दल को बताया कि उसने गुफा के बिल्कुल नजदीक एक आखी को देखा था। जब पुलिस दल बड़े व्यक्ति से बातचीत कर रहा था तो कांस्टेबल जेरेमाविया ने बेनलालाउभ्रा को देखा जो लगभग 70 गज की दूरी पर विपरीत दिशा की तरफ भाग रहा था। श्री जेरेमाविया ने भाग रहे उग्रपंथी का पीछा किया और उसकी बाँधी तरफ से अधिक तेजी से भागकर उसके भागने के रास्ते को रोकने का प्रयत्न किया। किन्तु बेनलालाउभ्रा ने भाग ले ली। पुलिस दल खुले में था। बेनलालाउभ्रा

ने पुलिस दल की तरफ स्वचालित हथियार से 3 राउंड गोलियाँ चलाई। श्री जैरेमाविया बेंगलालाउभा का ध्यान बटाने के लिये बाईं तरफ की ओर भागे बड़े ताकत पुलिस दल के सवस्य उपयुक्त धाड़ ने सर्कें। श्री जैरेमाविया भागे की तरफ भागे और बेंगलालाउभा को खलकारा जिराने 3 राउंड गोलियाँ और चलाई, जो जैरेमाविया को लगी। हालाँकि श्री जैरेमाविया बुरी तरह घायल हो गये थे और उनके तेजी से खून निकल रहा था, फिर भी उन्होंने बेंगलालाउभा के भागने के रास्ते को घेर लिया और पुलिस दल को धाड़ दी। उन्होंने बेंगलालाउभा पर 3 राउंड गोली चलाई लेकिन वह बचकर भाग गया। हालाँकि जैरेमाविया को गुद के पास गोली लगी थी और गोली पेट के नीचे के हिस्से से होकर दूसरी ओर निकल गई थी, परन्तु श्री जैरेमाविया इस बात पर जोर देते रहे कि वे स्वस्थ हैं और भागते हुए उपग्रणी को पकड़ने के लिये पुलिस दल के सवस्यों को प्रोत्साहित करते रहे। उन्हें होस्तू गांव में लाया गया जहाँ बाबा के कारण वे बीरगति को प्राप्त हुए।

इस मुठभेड़ में श्री जैरेमाविया ने उल्टा घोरता, उदाहरणों साहस एवं उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत बीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत सत्ता भी दिनांक 20 नवम्बर, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 15-जे/81—राष्ट्रपति, मिजोरम पुलिस के निम्नलिखित अधि-कारी को उसकी बीरता के लिये पुलिस पदक महर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री लालगुमाना,
हवलदार,
प्रथम बटालियन,
मिजोरम सशस्त्र पुलिस,
मिजोरम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

1 अगस्त, 1979 को मिजोरम सशस्त्र पुलिस के एक दल को हवलदार लालगुमाना के नेतृत्व में सशस्त्र कट्टर विरोधियों के एक दल से निपटने के लिये मलयम क्षेत्र में जाने के लिये प्रतिनियुक्त किया गया। गांव में पहुँचने पर दल ने जंगल में कुछ विरोधी देखे और उनकी स्थिति का पता लगाया। हवलदार लालगुमाना ने दल को पीछे छोड़ कर विरोधियों की गतिविधि का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिये धुपके से भागे जाने का निर्णय किया। हवलदार लालगुमाना को देखने पर विरोधियों ने घने जंगल की ओर भागना शुरू किया। भागते हुए उन्होंने गोलियाँ चलाई। हवलदार लालगुमाना ने उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी लेकिन विरोधी भागते हुए गोलियाँ चलाते रहे। हवलदार लालगुमाना गोलियाँ और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए उन्हें पकड़ने के लिये जंगल से कूद पड़े। कुछ दूरी तक दौड़ने के बाद वह जंगल में गिर पड़े और कुछ हावापाई के बाद वे विरोधियों को पकड़ लिया। इतने में शेष दल भी वहाँ पहुँच गया।

इस मुठभेड़ में श्री लालगुमाना ने प्रदम्य बीरता, पहलवानिता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत बीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत सत्ता भी दिनांक 1 अगस्त, 1979 से दिया जाएगा।

सु० नीलकण्ठन, राष्ट्रपति के उप सचिव

राज्य सभा सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी, 1981

सं० आर० एस० 18/81-20—भारत प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य सभा के निर्वाचित सदस्य, श्री टी० भंजैया ने राज्य सभा में अपने स्थान से त्यागपत्र दे दिया है और सभापति ने उनका त्यागपत्र 19 फरवरी, 1981 से स्वीकार कर लिया है।

श्री शा० भानेराव, महासचिव

मंत्रिमंडल सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1981

संकल्प

सं० एक० 6/3/1/81-मंत्रि०—प्राथमिक प्रशासन के कतिपय महत्वपूर्ण क्षेत्रों तथा इस क्षेत्र में सरकारी क्रियाकलाप के विभिन्न सेक्टरों के बीच पारस्परिक क्रिया से संबंध मामलों पर सरकार को सलाह देने के लिए उपयुक्त सांस्थानिक प्रबंध करने का प्रश्न कुछ समय से विचाराधीन रहा है। तदनुसार, भारत सरकार निम्नलिखित से गठित एक प्राथमिक प्रशासन सुधार आयोग की स्थापना करती है :—

अध्यक्ष

श्री एल० के० झा,

(भूतपूर्व राज्यपाल, जम्मू और कश्मीर)

सदस्य

1. श्री आर० तिरूमलै,
सचिव (समन्वय),
मंत्रिमंडल सचिवालय

2. डा० सी० एच० हनुमन्त राव,
इंस्टिट्यूट ऑफ इकोनामिक प्रोप,
दिल्ली।

इस आयोग की सहायता के लिए एक सचिव होगा जिसकी नियुक्ति सरकार करेगी।

आयोग, सरकार की स्वीकृति से, प्राथमिक आधार पर तब तक सवस्यों को सहयोजित कर सकेगा तथा विशेषज्ञों और संस्थाओं की सहायता भी ले सकेगा।

2. आयोग एक सलाहकार निकाय होगा। यह प्राथमिक प्रशासन और उसके सुधार से संबंधित ऐसे मामलों पर कार्यवाई करेगा जो सरकार समय-समय पर उसके विचारार्थ भेजेगी। यह प्राथमिक नीतियों में उन संशोधन परिवर्तनों पर भी विचार करेगा जो उसकी प्रशासनिक कार्यक्षमता में सुधार करने से संबंधित उसकी सिफारिशों के कार्यान्वयन में सहायक होंगे।

3. आयोग सर्वप्रथम निम्नलिखित मामलों पर विचार करेगा :—

- (i) कर प्रशासन, इसका युक्तिकरण और सुधार;
- (ii) बजटों का स्तर ऊँचा करने के लिए कर-विभिन्न उपायों का प्रयोग;
- (iii) नई प्राथमिक व्यवस्था स्थापित करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय निकायों में विचाराधीन प्रस्तावों की, उनके प्रति बेहतर समन्वित राष्ट्रीय दृष्टिकोण प्रतिपादित करने हेतु, जांच करना; और

(iv) विभिन्न राज्यों में प्रवर्तित किराया नियंत्रण कानूनों की जांच करना और एक प्रादेशी कानून के बारे में सिफारिशें करना।

4. आयोग मंत्रिमंडल सचिवालय के प्रशासनिक क्षेत्र के अंतर्गत होगा और वह अपनी रिपोर्टें प्रधान मंत्री को प्रस्तुत करेगा।

5. आयोग की अवधि दो वर्ष होगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

यह आदेश भी दिया जाता है कि संकल्प की प्रतिलिपि भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों तथा अन्य संबंधितों को भेजी जाए।

आर० परमेश्वर, संयुक्त सचिव

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

तकनीकी विकास महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1981

सं० राज/1(II)/75--भारत सरकार ने कांच उद्योग के विकास के लिये नामिका का इस संकल्प के जारी होने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिये पुनर्गठन करने का निर्णय किया है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :--

- | | |
|---|---------|
| (1) श्री एन० विस्वास, | अध्यक्ष |
| औद्योगिक सलाहकार, | |
| तकनीकी विकास महानिदेशालय, | |
| उद्योग भवन, | |
| नई दिल्ली-110011 | |
| (2) श्री सी० जी० अमीन, | सदस्य |
| अलेक्जिंडर ग्लास इंडस्ट्रीज लि०, | |
| अलेक्जिंडर रोड, | |
| बडोदा-390003 | |
| (3) श्री सी० ए० ताकतावाला, | " |
| श्री बल्लभ ग्लास वर्क लि०, | |
| वल्लभ विद्या नगर-388120, | |
| (गुजरात) | |
| (4) श्री टी० एन० मुजान, | " |
| पोको इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इन्फ्रेड्रिकल लि०, | |
| 3, एम० आर्डी० बी० सी०, | |
| इंडस्ट्रियल एरिया, | |
| थाना बेलपुर रोड, | |
| पो० बा० नं० 79, | |
| थाना-400601 | |
| (5) श्री आर्डी० एच० पधसी, | " |
| ईगल फ्लास्क प्रा० लि०, | |
| 144/46 शेरीफ बेवजी स्ट्रीट, | |
| पो० बा० नं० 3131, | |
| (छुक्कला) बम्बई-400003 | |
| (6) श्री एस० रामचन्द्रन, | " |
| फाइबरग्लास पिलिंगटन लि०, | |
| पो० बा० नं० 82, | |
| बंबई आगरा रोड, | |
| थाना 400601 | |
| (7) श्री वी० सी० ननावरी, | " |
| बोरोसिल ग्लास वर्क्स लि०, | |
| 44, खप्पा कम्प्लेक्स हाउस, | |
| मीलाना अम्बुल गणकार रोड, | |
| बर्ली बम्बई-400015 | |

(8) डा० एम० कुमार, सदस्य
सेन्ट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट,
पो० आ० जावहरपुर यूनिवर्सिटी,
कलकत्ता-700032

(9) श्री पी० गोपीनाथन, "
लघु उद्योग संघ संस्थान,
त्रिचूर (केरल)

(10) श्री आर० के० आनन्द, "
औद्योगिक विकास विभाग,
उद्योग भवन,
नई दिल्ली-110011

(11) विकास अधिकारी (ग्लास), सदस्य-सचिव
तकनीकी विकास महानिदेशालय,
उद्योग भवन,
नई दिल्ली 110011

2. नामिका के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होंगे :--

- (1) कांच उद्योग के विकास की वर्तमान अवस्था पर विचार करना और इसके त्वरित विकास के लिये श्रम्युपायों के बारे में सिफारिश करना।
- (2) कांच तथा कांच के विभिन्न सामान की आवश्यकताओं का पूरा पूरा ज्ञान, वारंवार अप्रत्यक्ष करना तथा बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये और अधिक श्रम्युपायों को अपनाने के लिये सुझाव देना।
- (3) औद्योगिकी और उत्पादों की क्रिम के उद्घरण सहित औद्योगिकी की भारी आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाना।
- (4) विभिन्न संस्थानों में उपलब्ध अनुसंधान तथा विकास सुविधाओं को बढ़ावा देना।
- (5) जिस सीमा तक मानकीकरण कर लिया गया है उसकी जांच करना तथा भारतीय मानक संस्थान के परामर्श से और मानकीकरण करने के विशिष्ट कार्यक्रमों को विकसित करना।
- (6) देशी तथा आयातित दोनों प्रकार के मशीनों आदि की आवश्यकताओं पर विचार करना।
- (7) कच्चे माल तथा ऊर्जा संबंधी अंतर्वस्तुओं की अन्य आवश्यकताओं पर विचार करना जिसमें उनका मरतम/प्रतिस्थापन भी शामिल है।
- (8) विद्यमान एककों का आधुनिकीकरण।
- (9) आयात प्रतिस्थापन/निर्माण संवर्धन।
- (10) तकनीकी कामिकी की आवश्यकताओं और उनका प्रशिक्षण।
- (11) कोई अन्य संबद्ध विषय।

आदेश : आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाये। यह भी आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना के लिये इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

र० रामानुजम, निदेशक (प्र०)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी, 1981

सं० डब्ल्यू० 11011/1/80-अनुदान—भारत सरकार ने निर्णय लिया है कि अनुदान समिति का पुनर्गठन किया जाये, जिसमें निम्नलिखित सदस्य हों:—

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री	अध्यक्ष
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री	उपाध्यक्ष
श्री शांतू भाई सी० पटेल, संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
श्री गुलाम रसूल कोषक, संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
डा० के० एस० बोर्डे, संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
श्री बी० सी० केशव राव, संसद सदस्य, राज्यसभा	सदस्य
डा० बलसला सामस्त	सदस्य
डा० एन० एल० बोडिया	सदस्य
डा० एन० एम० बबनीकोप	सदस्य
श्री एस० एम० शाह	सदस्य
सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	
अथवा उनका मनोनीत,	सदस्य
स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक	सदस्य
स्वास्थ्य विभाग में अनुदान कार्यों से संबंधित संयुक्त सचिव	सदस्य
विशेष आयुक्त (परम्परागत चिकित्सा पद्धति)	
अथवा उनका मनोनीत	सदस्य
स्वास्थ्य विभाग में अनुदान कार्यों से संबंधित	
अवर सचिव	सदस्य-सचिव

2. समिति को अन्य अधिकारी सदस्यों को धुनने का अधिकार होगा जैसा वह आवश्यक समझे।

3. अनुदान समिति स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की सरकार को “क्षय रोग, कुष्ठ, कैसर, और अन्य स्वीच्छिक चिकित्सा संस्थाओं को वित्तीय सहायता” तथा “ग्रामीण क्षेत्रों में कि लिये नये अस्पतालों/भ्रूषालय खोलने के लिये स्वीच्छिक संस्थाओं/संगठनों को वित्तीय सहायता (एक तिहाई योजना)” संबंधी योजनाओं के अधीन स्वीच्छिक संस्थाओं/संगठनों को सहायता स्वरूप अनुदान देने संबंधी निम्न-लिखित मामलों में सलाह देगी।

1. क्षयरोग, कुष्ठ, कैसर और अन्य स्वीच्छिक चिकित्सा संस्थाओं के सहायता स्वरूप अनुदान के निवेदनों पर विचार करना, जो निर्धारित शर्तें पूरी करती हों।
2. ऐसी संस्थाओं को दिये जाने वाले सहायता स्वरूप अनुदान की मात्रा की सिफारिश करना,
3. उपर्युक्त स्वीच्छिक संस्थाओं से संबंधित किसी अन्य मामले पर भी विचार करना।

समिति अपने कारोबार नियम बनायेगी। समिति साधारणतया नई दिल्ली में बैठकें बुलाएगी।

4. यह समिति प्रथमतः तत्काल से दो वर्ष के लिये गठित की गई है और समय समय पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है।

5. गैर-सरकारी सदस्यों को यात्रा भत्ता और मंहगाई भत्ता निर्धारित नियमों के अनुसार अनुदान समिति के बैठकों में भाग लेने के लिये दिया जाएगा। यह व्यय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की मांग संख्या 44 के मुख्य शीर्ष-276-सामान्य और सामुदायिक सेवा-ए-1-सचि-वालय ए 1 (1) स्वास्थ्य विभाग-ए (1(1) (3) यात्रा-व्यय में से किया जाएगा।

टी० बी० बंदोबी, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी, 1981

शुद्धि पत्र

विषय: राष्ट्रीय कोडेक्स (खाद्य पदार्थ मानक) समिति।

सं० पी० 16016/30/80-पी० एच० (एफ० एण्ड एन०) पी० एफ० ए०—भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन तथा निर्माण आवास और नगरीय विकास मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) के 29 मई, 1970 के शुद्धिपत्र संख्या 14-36/67-पी० एच० और तारीख 2 नवम्बर, 1972 के शुद्धिपत्र संख्या जी० 14-19/77-पी० एच०, तारीख 2 सितम्बर, 1977 के शुद्धिपत्र संख्या पी० 16016/12/77-पी० एच० (एफ० एण्ड एन०) पी० तथा 19-11-1979 के शुद्धिपत्र संख्या पी० 16016/7/78-पी० एच० (एफ० एण्ड एन०) पी० एफ० ए० द्वारा यथा संशोधित उक्त मंत्रालय के तारीख 31 मार्च, 1970 के संकल्प संख्या 14-36/67-पी० एच० के पैरा-1 में—

1. (क) क्रम संख्या 1 क के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर यह प्रविष्टि II खाद्य मानक कार्यक्रम से संबंधित निदेशक, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय—उपाध्यक्ष” रखी जाएगी।
- (ख) क्रम संख्या 2 के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर यह प्रविष्टि “निदेशक (आई० सी०) कृषि मंत्रालय (सदस्य)” रखी जाएगी।
- (ग) क्रम संख्या 2 के सामने दी गई वर्तमान प्रविष्टि की संख्या अब 2क की जाएगी।
- (घ) क्रम संख्या 7 के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर यह प्रविष्टि “कृषि विपणन सलाहकार, ग्रामीण पुनर्निर्माण” रखी जाएगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस शुद्धिपत्र की एक प्रतिलिपि राष्ट्रपति के सचिव, प्रधान मंत्री के कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, योजना आयोग, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों तथा संघ शासित क्षेत्रों, समिति के सरकारी सदस्यों को भेज दी जाए।

आदेश दिया जाता है कि इस शुद्धिपत्र को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

जी० पंचापकेशन, अवर सचिव

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1981

सं० 22-17/77-एन० जी०-1--भारतीय डेरी निगम की संगम की निगमावली के नियम 15(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, इस विभाग के भूतपूर्व पञ्चालन आयुक्त डा० वाई० प्रभाव की 31 दिसम्बर, 1980 को सेवा-निवर्तन की उम्र होने पर भारतीय डेरी निगम के निदेशक मंडल में निदेशक के पद से निर्मुक्त करते हैं।

एम० एस० खुराना, अवर सचिव

शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 फरवरी 1981

सं० एफ० 10-1/81-माध्यमिकी—भारत सरकार एतद्वारा विेश की सम्पूर्ण शैक्षिक सांख्यिकी प्रणाली की समीक्षा के लिए 15 मार्च, 1981 से उच्च स्तरीय समिति गठित करती है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे:—

1. संयुक्त सचिव, शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय (शिक्षा विभाग)
भारत सरकार, नई दिल्ली

2. प्रो० पी० के० जोस, सांख्यिकी विभागाध्यक्ष, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता।	सदस्य	में लघु कालीन उपाय सुझाए गए होंगे जबकि अंतिम रिपोर्ट, जिसमें वीथी कालीन उपाय तथा अन्य सिफारिशें होंगी, इसके गठन के एक वर्ष की अवधि के अन्दर प्रस्तुत की जाएगी।
3. श्री एम० बी० बुच (सेवा निवृत्त) भूतपूर्व शिक्षा विभागाध्यक्ष, बड़ोबा एम० एस० विश्वविद्यालय	सदस्य	समिति के विचारार्थ विषय इस प्रकार होंगे :— (1) शैक्षिक सांख्यिकी में सुधार करने के लिए परिप्रेक्ष्य योजना तैयार करना तथा सभी स्तरों पर नीति बनाने, योजना तथा प्रशासन में इसका प्रयोग करना।
4. महा निदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन तथा पब्लिक अपर सचिव सांख्यिकी विभाग, नई दिल्ली।	सदस्य	(2) विभिन्न मुद्दों के संबंध में आंकड़े एकत्र करने के लिए कार्य पद्धति का प्रस्ताव देना तथा आंकड़े एकत्र करने के कार्य में लगी विभिन्न एजेंसियों की भूमिका स्पष्ट करना, ताकि प्रयासों की पुनरावृत्ति से बचा जा सके तथा न्यूनतम संसाधनों से सम्बद्ध आंकड़े उपलब्ध किए जा सकें।
5. सलाहकार (शिक्षा) योजना आयोग, नई दिल्ली	सदस्य	(3) प्राथमिक संसाधनों से आंकड़े एकत्र करने के संबंध में प्रयोग में लाई जाने वाली अनुसूचियों की क्रिया तथा विभिन्न स्तरों पर रखे जाने वाले अभिलेखों के बारे में सुझाव देना ताकि सही सूचना एकत्र करने में सहायता मिल सके।
6. कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक आयोग तथा प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य	(4) आंकड़ों की कोटि तथा इन्हें समय पर प्रस्तुत करने के संबंध में सुधार करने के उपायों का प्रस्ताव देना।
7. प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, सर्वेक्षण तथा आंकड़े संसाधन एकक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली।	सदस्य	(5) केन्द्रीय और राज्य स्तरों पर अवस्थापना में परिवर्तनों तथा स्टाफ इत्यादि के लिए मानवबलों के संबंध में सुझाव देना।
8. सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली।	सदस्य	(6) आंकड़े सही ढंग से एकत्र करने तथा इनके प्रयोग की सुनिश्चित करने के लिए सभी स्तरों पर प्रशिक्षण और अनु-स्थापन कार्यक्रमों के संबंध में सुझाव देना।
9. कुलपति, भागरा विश्वविद्यालय, भागरा	सदस्य	(7) समिति के सदस्यों द्वारा कुछ राज्यों का दौरा करके उच्च अधिकारियों के साथ किए गए विचार विमर्शों के आधार पर विद्यमान प्रणाली में सुधार करने के लिए लघु कालीन उपायों के संबंध में सुझाव देना।
10. निदेशक, अर्थशास्त्र तथा सांख्यिकी भूमी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।	सदस्य	समिति को शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय, शिक्षा विभाग के योजना, अनुसंधान तथा सांख्यिकी प्रभाग द्वारा सचिवालयीय सहमति प्रदान की जाएगी।
11. शिक्षा सचिव, जम्मू और काश्मीर सरकार	सदस्य	पी० एस० शकुन्तला, उप सचिव
12. शिक्षा सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार	सदस्य	श्रम मंत्रालय
13. शिक्षा सचिव, केरल सरकार	सदस्य	नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1981
14. उप निदेशक, शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली।	सदस्य-सचिव	सं० बी०-18025/4/80-फैक-राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के नियमों एवं विनियमों के नियम 7 के खण्ड (ख) के अनुसरण में तथा भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या बी०-18025/5/77-फैक, दिनांक 5 नवम्बर, 1977 के क्रम में केन्द्रीय सरकार श्री हरीश महिंद्र को 5 नवम्बर, 1980 से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के शपथी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नामित करती है।

समिति अपनी अन्तर्निम रिपोर्ट छः महीने की अवधि के अन्दर प्रस्तुत करेगी, जिसमें विद्यमान शैक्षिक सांख्यिकी प्रणाली में सुधार करने के संबंध

जे० के० अँन, अवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th February 1981

No. 13-Pres./81.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Maharashtra Police:

*Names and ranks of the officers**(Officiating)*

Shri Vasant Narhar Jog,
Inspector of Police,
Criminal Investigation Department,
Bombay,
Maharashtra.

Shri Lalitkumar Dattatraya Godbole,
Sub-Inspector of Police,
Criminal Investigation Department,
Bombay,

Shri Dagdu Dhondu Nikam,
Police Constable B. No. 12995/K,
Criminal Investigation Department,
Bombay,
Maharashtra.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 31st March, 1979, shortly before the mid-night, Shri Lalitkumar Dattatraya Godbole received information that some notorious criminals from North India had arrived in Bombay and were staying in a Lodging House, named Pakhija Guest on Maulana Shaukatali Road, Shri Godbole got in touch with Shri Vasant Narhar Jog and Shri V. Y. Dange and requested them to meet him opposite to a Cinema House in the vicinity of Maulana Shaukatali Road. He along with Shri Dagdu Dhondu Nikam, rushed to the spot to keep a watch on the criminals. On reaching the spot they came to know that four strangers were staying in Room No. 7 of the Guest House though normally 2 persons could be accommodated in the room. Shri Godbole knocked at the door and on being opened, he rushed inside the room followed by Shri Nikam. A person sitting on the floor in the room between the two beds shot at Shri Godbole but he reacted quickly and hit the miscreant on the hand in which he was holding the pistol in disregard of the injury received by him in the abdomen due to gun-shot. Hearing the sound of the gun-shot Shri Jog who was till then standing in the passage rushed inside the room. As he entered the room, another inmate of the room pulled out his pistol but Shri Jog pounced on him. In the meantime, the third intimate who was sitting on the bed fired from his pistol which hit Shri Jog on his face. Some of the pellets pierced his chest and he lost four of his teeth. Shri Nikam tried to apprehend one of the criminals but judging that both Shri Godbole and Shri Jog had been injured, he brought Shri Godbole out of the room to save his life. Shri Jog also came out of the room and held the door-handle from outside to prevent the inmates from running away. However, the miscreants broke open the partition dividing their room and escaped.

In this action Shri Vasant Narhar Jog, Shri Lalitkumar Dattatraya Godbole and Shri Dagdu Dhondu Nikam exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 31st March, 1979.

No. 14-Pres./81.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Mizoram Police:

Name and rank of the officer

Shri Zairemmawia,
Constable No. 17,
1st Battalion,
Mizoram Armed Police,
Aizawl,
Mizoram.

*(Deceased)**Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 20th November, 1979, a Police party consisting of Shri Lualia Sailo, Sub-Inspector of Police, Constable Zairemmawia and three others was deputed to apprehend the escapees of Tuirial Central Jail. On reaching village Hualtu, the police party halted there for the night. On the 22nd November, 1979 they came to know that one of the escapees, namely, Vanlalauva along with four others was hiding in a cave on the Tawizo footpath and that an ex-MNF who had jumped bail was also accompanying them. The police party left Hualtu for Tawizo at 1000 hours. On the way, they apprehend Lalbiaka, who informed the police that Vanlalauva was unarmed and alone. The police party left for the hide-out of the extremist along with Lalbiaka. On reaching the cave, they met an old man who informed the police party that he had seen a man very close to the cave. While the police party was talking to the old man, Constable Zairemmawia spotted Vanlalauva who was running towards opposite direction at a distance of about 70 yards. Shri Zairemmawia chased the running extremist and tried to out-mancoeuvre him from left side and cut off his escape route. Vanlalauva, however, took a cover. The police party was exposed. Vanlalauva fired three rounds from an automatic weapon towards the police party. In order to enable the members of the police to take proper cover, Shri Zairemmawia went further left in order to divert the attention of Vanlalauva. Shri Zairemmawia ran forward and challenged Vanlalauva who fired three more rounds which hit Shri Zairemmawia. Though Shri Zairemmawia was severely hurt and was bleeding profusely, he covered the escape route of Vanlalauva and gave cover to the police party. He fired three rounds at Vanlalauva but the latter escaped. Even though Shri Zairemmawia was hit near the kidney and the bullet had passed through the lower abdomen. Shri Zairemmawia insisted that he was well and exhorted the members of the police party to give a chase to the fleeing hostile. He was brought to the village Hualtu where he succumbed to his injuries.

In this encounter Shri Zairemmawia exhibited conspicuous gallantry, exemplary courage and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 20th November, 1979.

No. 15-Pres./81.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Mizoram Police:

Name and rank of the officer

Shri Lalvuana,
Havildar,
1st Bn, Mizoram Armed Police,
Mizoram.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 1st August, 1979, a party of Mizoram Armed Police led by Havildar Lalvuana was deputed to go to Melthum area to tackle a group of armed hardcore hostiles. On reaching the village, the party noticed some hostiles in the jungle and observed their position. Havildar Lalvuana decided to leave the party behind and quietly moved forward to observe the movement of the hostiles and also to entrap them. On seeing Hav. Lalvuana, the hostiles started running into the thick jungle. While running they opened fire. Hav. Lalvuana challenged them to surrender but the hostiles kept on running and firing. Hav. Lalvuana undaunted by the fire and unmindful of the personal safety jumped from a steep slope to apprehend them. After running a short distance he pounced on them and apprehended two of the hostiles after a hot scuffle. In the meantime rest of the party also arrived.

In this encounter Shri Lalvuana exhibited conspicuous gallantry, initiative, courage and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and conse-

quently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 1st August, 1979.

S. NILAKANTAN,
Dy. Secy. to the President

RAJYA SABHA SECRETARIAT

New Delhi, the 19th February 1981

No. RS.18/81-T.—Shri T. Anjiah, an elected Member of the Rajya Sabha, representing the State of Andhra Pradesh, has resigned his seat in the Rajya Sabha and his resignation has been accepted by the Chairman with effect from the 19th February, 1981.

S. S. BHALERAO, Secy General

CABINET SECRETARIAT

New Delhi, 5th March 1981

RESOLUTION

No. 6/3/1/81-CAP.—The question of an appropriate institutional arrangement for advising government of certain important areas of economic administration and no matters involving interaction between different sectors of government activity in this field has been under consideration for some time. Accordingly, Government of India hereby constitute an Economic Administration Reforms Commission consisting of the following :—

Chairman

Shri L. K. Jha,
(former Governor, Jammu & Kashmir)

Members

1. Shri R. Tirumalai,
Secretary (Coordination)
Cabinet Secretariat.
2. Dr. C.H. Hanumantha Rao,
Institute of Economic Growth,
Delhi.

The Commission shall be assisted by a Secretary who will be appointed by Government.

The Commission may, with the approval of Government, coopt *ad hoc* members on a part-time basis as well as enlist assistance of expert and institutions.

2. The Commission could be an advisory body. It will deal with such matters regarding the economic administration and its reform as may be referred to it by Government from time to time. It will also consider such related changes in economic policies as would facilitate the implementation of its recommendations regarding improvement in administrative efficiency.

3. The Commission, in the first instance, will take up for consideration the following matters :—

- (i) tax administration, its rationalisation and improvement;
- (ii) the use of non-tax devices for raising the level of savings;
- (iii) examination of proposals under consideration in international bodies for the establishment of new economic order with a view to formulating a well coordinated national approach to them; and
- (iv) examination of rent control laws in force in different States and recommendations regarding a model law.

4. The Commission will be within the administrative purview of the Cabinet Secretariat and will submit its reports to the Prime Minister.

5. The term of the Commission will be for two years.

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India.

2—491GI/80

Ordered also that a copy of the Resolution be communicated to the Ministries/Departments of the Government of India and all others concerned.

R. PARAMESWAR,
Joint Secretary to the Cabinet.

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 5th January 1981

RESOLUTION

No. Glass/1(11)/75.—Government of India have decided to reconstitute the Development Panel for Glass Industry with the following composition for a period of two years from the date of issue of this Resolution :—

Chairman

1. Shri N. Biswas,
Industrial Adviser,
Directorate General of Technical Development,
Udyog Bhavan,
New Delhi-110011.

Members

2. Shri C. G. Amin,
Alembic Glass Industries Ltd.,
Alembic Road,
Baroda-390003.
3. Shri C. A. Taktawala,
Shree Vallabh Glass Works Ltd.,
Vallabh Vidyanagar-388120,
(Gujarat).
4. Shri T. N. Sojan,
Pieco Electronics & Electricals Ltd.,
3, MIDC Industrial Area,
Thane-Belapur Road,
Post Box No. 79,
Thane-400601.
5. Shri I. H. Padamsee,
Eagle Flask Private Limited,
144/46, Sheriff Devji Street,
Post Box No. 3131,
(Chukla) Bombay-400003.
6. Shri S. Ramachandran,
Fibreglass Pilkington Limited,
Bombay-Agra Road,
Post Box No. 82,
Thana-400601.
7. Shri V. C. Nanavati,
Borosil Glass Works Limited,
44, Khanna Construction House,
Maulana Abdul Gaffar Road,
Worli, Bombay-400018.
8. Dr. S. Kumar,
Central Glass & Ceramic Research Institute,
P.O. Jadhavpur University,
Calcutta-700032.
9. Shri P. Gopinathan,
Small Industries Service Institute,
Trichur (Kerala).
10. Shri R. K. Anand,
Department of Industrial Development,
Udyog Bhavan,
New Delhi-110011.

Member-Secretary

11. Development Officer (Glass),
Directorate General of Technical Development,
Udyog Bhavan,
New Delhi-110011.
2. The terms of reference of the Panel would be as under :—
- (i) To consider the present stage of development of the glass industry and to recommend measures for its accelerated growth.

- (ii) To study the state-wise/region-wise requirement of various items of glass and glassware and make suggestions for creation of further capacities to meet the growing needs.
- (iii) Forecasting of future technological needs including upgradation of technology and quality of products.
- (iv) To augment research and development facilities in the field available in various institutions.
- (v) To examine the extent to which standardisation has been achieved and evolve specific programmes for further standardisation in consultation with the Indian Standards Institution.
- (vi) To consider the requirements of machinery etc. both indigenous and imported.
- (vii) To consider the requirements of raw materials and energy inputs including their conservation/substitution.
- (viii) Modernisation of existing units.
- (ix) Import substitution/export promotion.
- (x) Technical manpower requirements and their training.
- (xi) Any other relevant matter.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. RAMANUJAM, Dir. (Admn.)

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DEPARTMENT OF HEALTH)

New Delhi, the 20th February 1981

No. W.11011/1/80-Grants.—The Government of India have decided to re-constitute the Grants Committee with the following members :—

Chairman

Minister for Health & Family Welfare.

Vice Chairman

Minister of State for Health & F.W.

Members

Shri Shantubha C. Patel,

M.P., Lok Sabha.

Shri Ghulam Rasool Kochak,

M.P., Lok Sabha.

Dr. K. S. Bhoi,

M.P., Lok Sabha.

Shri V. C. Keshava Rao,

M.P., Rajya Sabha.

Dr. Vatsala Samant.

Dr. N. L. Bordia.

Dr. N. M. Wadnikop.

Shri S. M. Shah,

Secretary, Health & Family Welfare or his nominee.
Director General of Health Services.

Joint Secretary concerned with grants in the Department of Health.

Special Commissioner (TSM) or his representative.

Member-Secretary

Under Secretary concerned with grants in the Department of Health.

2. The Committee shall have powers to co-opt other official members as are considered necessary.

3. The Grants Committee will advise the Government in the Ministry of Health & Family Welfare (Department of Health) in the following matters relating to the payment of the grant-in-aid to the voluntary institutions/organisations under the Schemes of "Financial assistance to the Voluntary T.B., Leprosy, Cancer and other medical institutions" and

"Financial assistance to the voluntary institutions/organisations for setting up of new hospitals/dispensaries in/for rural areas (1/3rd Scheme) :—

- (i) to consider the requests for grants-in-aid to Voluntary T.B., Leprosy, Cancer and other medical institutions which fulfil the prescribed conditions;
- (ii) to recommend the quantum of grant-in-aid to be given to such institutions; &
- (iii) to consider any other matter connected with the above voluntary institutions.

The Committee shall formulate its own Rules of Business. The Committee will normally meet in New Delhi.

4. The Committee has been constituted with immediate effect for a period of two years on the first instance and this period may be extended from time to time.

5. The T.A. and D.A. of the non-official members will be admissible for attending the meetings of the Grants Committee in accordance with the prescribed rules. The expenditure involved will be met from the Demand No. 44—Ministry of Health and Family Welfare—Major Head-276, Social and Community Service—A. 1, Secretariat, A.1(1) Department of Health—A.1(1)(3)—Travel Expenses.

T. V. ANTONY, Jt. Secy.

New Delhi, the 16th February 1981

CORRIGENDUM

Subject: National Codex (Food Products Standards) Committee.

No. P.16016/30/80-PH(F&N)PFA.—In the resolution of Government of India in the Ministry of Health and Family Planning and Works, Housing and Urban Development (Department of Health) No. 14-36/67-PH dated the 31st March, 1970, as amended *vide* that Ministry's Corrigendum No. 14-36/67-PH dated the 29th May, 1970 and this Ministry's Corrigendum No. G-14-19/71-PH dated 2nd Sept., 1972, No. P.16016/12/77-PH(F&N) P dated the 2nd Sep., 1977 and P.16016/7/78-PH(F&N)PFA dated 19-11-1979 in para 1—

- (a) For the entry against S. No. 1A the entry "Director, Ministry of Health and Family Welfare, dealing with the Food Standards Programme... Vice Chairman" shall be inserted.
- (b) For the entry against Sl. No. 2 the entry "Director (IC) Ministry of Agriculture (Member)" shall be substituted.
- (c) The existing entry against Sh. No. 2 shall be renumbered as 2A.
- (d) For the entry against Sr. No. 7, the entry "Agricultural Marketing Adviser, Ministry of Rural Reconstruction" shall be inserted.

ORDER

ORDERED that a copy of this Corrigendum to be communicated to the Secretary to the President, the Prime Minister's Office, the Cabinet Secretariat, the Planning Commission, all Ministries of the Government of India, all State Governments and Union Territory Administrations, Government Members of the Committee.

ORDERED that Corrigendum be published in the Gazette of India.

G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPTT. OF AGRICULTURE & COOP.)

New Delhi, the 12th February 1981

No. 22-17/77-LD.I.—In exercise of the powers conferred by Rule 2(a) of the Rules and Regulations of the National Dairy Development Board, the President is pleased to relieve Dr. Y. Prasad, Ex-Animal Husbandry Commissioner in this Deptt. as a Member of the National Dairy Development Board on attaining the age of superannuation on 31st December, 1981.

M. S. KHURANA, Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE
(DEPTT. OF EDUCATION)

New Delhi, the 20th February 1981

No. F. 10-1/81-STAT.—The Government of India hereby constitute the High Level Committee for a review of the entire Educational Statistical System in the country with effect from 15th March, 1981 with following members.

- | | |
|---|----------|
| 1. Joint Secretary,
Ministry of Education & Culture,
(Deptt. of Education),
Govt. of India,
New Delhi. | Chairman |
| 2. Prof. P. K. Bose,
Head, Deptt. of Statistics,
Calcutta University,
Calcutta. | Member |
| 3. Shri M. B. Buch (Retd.) Ex-Head,
Deptt. of Education,
M.S. University of Baroda. | Member |
| 4. Director General,
Central Statistical Organisation,
& Ex-Officio Addl. Secretary,
Deptt. of Statistics,
New Delhi. | Member |
| 5. Adviser (Education),
Planning Commission,
New Delhi. | Member |
| 6. Executive Director,
National Institute of Educational Planning
and Administration,
New Delhi. | Member |
| 7. Prof. & Head,
Survey & Data Processing Unit,
National Council for Educational
Research & Training,
New Delhi. | Member |
| 8. Secretary,
University Grants Commission,
New Delhi. | Member |
| 9. Vice-Chancellor,
Agra University,
Agra. | Member |
| 10. Director,
Bureau of Economics & Statistics,
Delhi Administration,
Dehi. | Member |
| 11. Education Secretary,
Government of Jammu & Kashmir. | Member |
| 12. Education Secretary,
Government of Uttar Pradesh. | Member |

13. Education Secretary
Government of Kerala.

Member

14. Deputy Director,
Ministry of Education & Culture,
Government of India,
New Delhi.

Member Secretary

The Committee will submit its interim report within a period of six months suggesting short term measures to improve the existing system of Educational Statistics whereas final report giving long-term measures as well as other recommendations would be submitted within a period of one year after its constitution.

The term of the references of the Committee will be as under :—

1. To prepare a prospective plan for the improvement of the educational statistics and their utilisation in policy making, planning and administration at all levels.
2. To propose the methodology for collecting data on various items and to spell out the role of different agencies involved in data collection so that duplication of efforts is avoided and the relevant data are made available with minimum of resources.
3. To suggest the type of schedules to be used for data collection from Primary sources and the records to be maintained at different levels so as to help in efficient collection of information.
4. To propose measures for improving the quality and timely presentation of data.
5. To suggest the changes in the infrastructure at the central and state levels and the norms for staff, etc., in order to bring about the above improvements.
6. To suggest training and orientation programmes at all levels for ensuring proper collection and use of data.
7. To suggest short-term measures for improving the existing system on the basis of the discussions held with the high officials by personal visits of members of the Committee to some of the States.

Secretarial Assistance to the Committee will be provided by planning, Monitoring and Statistics Division of the Ministry of Education and Culture, Department of Education.

P. S. SAKUNTALA, Dy. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 20th February 1981

No. V-18025/4/80/Fac.—In pursuance of clause (b) of Rule 7 of the Rules and Regulations of the National Safety Council and in continuation of notification of Government of India in the Ministry of Labour No. V-18025/5/77/Fac. dated the 5th November 1977, the Central Government hereby nominates Shri Harish Mahindra as Chairman of the Board of Governors of the National Safety Council with effect from the 5th November 1980.

J. K. JAIN, Under Secy.

